नवभारत टाइम्स

www.navbharattimes.com

फाल्गुन 8 शक 1924 फाल्गुन शुक्ल 12 विक्रम 2059 नई दिल्ली गुरुवार 27 फरवरी 2003 मूल्य 2 रु. पृष्ठ 10+4 (टेक्नो दिल्ली)= 14

महानगर

समृद्धि, वैभव, संपन्नता

BUSINESS TIMES

8 नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली, 27 फरवरी 2003

रेल बजट पर फिक्की की 'गर्म' और पीएचडी चैम्बर की 'ठंडी' प्रतिक्रिया

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली: रेलवे बजट पर वाणिज्य एवं उद्योग संगठनों ने मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जहां अग्रणी उद्योग संगठनों फिक्की और सीआईआई ने रेल बजट का स्वागत किया है वहीं पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने कहा है कि इसमें रेलवे के अल्पकालिक विकास पर ही ध्यान दिया गया है। अन्य वाणिज्य संगठनों ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि यह एक संतुलित बजट है और इसमें रेलवे सुरक्षा पर दिए गए विशेष ध्यान से रेलवे की कार्यकुशलता में इजाफा होगा। रेल बजट पर प्रतिक्रिया में वाणिज्य संगठन फिक्की ने कहा है कि इस साल का रेल बजट बाजारोन्मुख है और इसमें माल ढुलाई का काम सड़कों से हटाकर रेल पर केन्द्रित करने के उपाय किए गए हैं। फिक्की अध्यक्ष डॉ. ए.सी. मुथैया ने एक बयान में कहा कि माल भाड़े में रियायतें देना स्वागत योग्य कदम है। रेलवे सुरक्षा के नए उपायों की घोषणा का स्वागत करते हुए डा. मुथैया ने कहा कि रेलवे सुरक्षा पर संसद में पेश किए जाने वाले श्वेत पत्र से पता चलता है कि रेल मंत्री सुरक्षा से सम्बन्धित मसलों पर चिंतित हैं।

रेल बजट पर सीआईआई अध्यक्ष अशोक सूटा ने कहा कि पिछले साल रेलवे बजट में जो उपाय किए गए थे वे काफी फलदायक रहे हैं। उन्होंने कहा कि पांच नई माल गाड़ियों को शुरू करना एक अच्छा कदम है। उन्होंने आशा जताई कि यात्री सुरक्षा के लिए नए उपायों पर विचार करना भी रेलवे पर नया भरोसा पैदा करेगा। पीएचडी चैम्बर के अध्यक्ष पी.के. जैन ने एक बयान में कहा कि देश में अर्थव्यवस्था की दीर्घकालीन जरूरतें पूरी करने के लिए इस बजट में समुचित उपाय नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि माल परिवहन की जानकारी रखने के लिये कम्प्यूटरीकरण जरूरी है और रेलवे की विपणन रणनीति में इसे उपभोक्ता हितों के अनुकूल ढालने पर समुचित ध्यान देना चाहिए।

वाप्र के अनुसार एस्सार स्टील के निदेशक जे.मेहरा ने रेल बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि तैयार माल की ढुलाई के लिए रेल भाड़े में की गई रियायत स्वागत योग्य है। उन्होंने यह भी कहा कि कच्चे माल की ढुलाई के लिए भी रेल भाड़े में कमी होनी चाहिए।

भारतीय वित्त संस्थान के अध्यक्ष एवं निदेशक जे.डी. अग्रवाल ने रेल बजट को लोकप्रिय और रोजगारोन्मुखी बताया और मालभाड़े तथा यात्री भाड़े को युक्तिसंगत बनाए जाने की प्रशंसा की है। उन्होंने नई स्कीमों का स्वागत किया और कहा कि 2002–03 के लिए 2930 करोड़ रुपए के लाभांश भुगतान से वित्त मंत्री जसवंत सिंह को आम बजट में राहत मिलेगी।